Regarding providing medical facility by deploying trained doctors in remote Tribal Areas-laid

श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावा (भरूच) : अनेकता में एकता ही भारतीय संस्कृति की पहचान है और इसी के मूल में निश्चित रूप से भारत के विभिन्न प्रदेशों में स्थित जनजातीय हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में रहते हुए अपनी संस्कृति के जरिए भारतीय संस्कृति को एक अनोखी पहचान देती है । आज जब भारत ने हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था में अपना स्थान बना लिया है तथा सरकार जनजातीय लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सराहनीय प्रयास कर रही है । देश की जनजातीय, दुर्गम एवं पिछड़े क्षेत्रों में महामारी के एक लंबे दौर ने स्वास्थ्य संबंधी चिताओं को बढ़ा दिया है, ऐसे में सरकार से मेरा आग्रह है कि देश के जनजातीय क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर ही कुशल प्रशिक्षित डॉक्टरों द्वारा चरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु ठोस प्रबंध किए जाएं जिससे बीमार पड़ने पर उन्हें दूर शहरों में इलाज हेतु ना भागना पड़े । इसके साथ ही सरकार द्वारा स्वास्थ्य जन जागरण अभियान भी चलाया जाना चाहिए जिससे आदिवासी लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से राहत मिल सके ।